Source StylesFormat

Swami Vivekanand Govt. PG College Harda (M.P.)

AQAR 2022-23

CRITERION -5

Swami Vivekanand Govt. PG College Harda (M.P.)

AQAR 2022-23
Criterion 5.4

S. No.	Name of Supporting Documents	Page No.
1.	5.1.3 - Capacity building and skills enhancement initiatives taken by the institution	1-14

सुझाव पेटी
राज्य युवा नीति हेतु
युवा विद्यार्थियों के सुझाव आमंत्रित
सुझाव हेतु अंतिम तिथि 21-12-2022

सुझाव पेटी
राज्य युवा नीति हेतु
युवा विद्यार्थियों के सुझाव आमंत्रित
सुझाव हेतु अंतिम तिथि 21.12.2022
स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा

वाद-विवाद के पक्ष में विशाल, विपक्ष में मयंक प्रथम, परिचर्चा में प्रीतम प्रथम रहे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हरदा. स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे युवा उत्सव का शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ। युवा उत्सव प्रभारी डॉ. दीपिका सेठे ने बताया कि प्राचार्य डॉ. संगीता बिले एवं डॉ. धीरा शाह जिला सांस्कृतिक समन्वयक की उपस्थिति में उत्सव के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत समूह नृत्य, समूह गायन, एकल वादन एवं रंगोली का आयोजन हुआ। इसमें छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक प्रतियोगिता प्रभारी डॉ. दीप्ति अग्रवाल एवं डॉ. राकेश सिंह परस्ते रहे। निर्णायक के रूप में डॉ. निर्मला डोंगरे, डॉ. प्रियंका राय एवं भावना अग्रवाल थी। सेठे ने बताया कि तीनों दिवसों की प्रतियोगिताओं में वाद-विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में प्रथम स्थान विशाल चौहान, विपक्ष में प्रथम स्थान मयंक काले ने प्राप्त किया। परिचर्चा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रीतम सेठी को मिला। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विजयी टीम के रूप में अभिषेक सेन, अजय राजपूत एवं पुनीत रहे। एकल गायन सुगम प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा राजपूत, द्वितीय स्थान नीलम बघेल ने प्राप्त किया।

हरदा. युवा उत्सव में नृत्य की प्रस्तुति देती छात्राएं।

जिला स्तरीय युवा उत्सव का दो विधाओं होगा वर्चुअल आयोजन

हरदा. जिला स्तरीय युवा उत्सव का वर्चुअल आयोजन दो विधाओं में होना है। इन विधाओं में लोक नृत्य एवं लोक गीत शामिल है। इस उत्सव में जो भी कलाकार अपनी प्रतिभा का वर्चुअल प्रदर्शन करना चाहते हैं, वे निर्धारित आवेदन पत्र कार्यालय जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, नेहरू स्टेडियम हरदा से प्राप्त कर जमा कर सकते हैं। प्राप्त प्रतिभागी के वीडियो जिला स्तरीय निर्णायक समिति देखकर विजेता प्रतिभागी को संभाग स्तरीय दल के लिए चयनित करेगी। उत्सव में 29 वर्ष तक की आयु के युवक-युवती भाग ले सकेंगे।

क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विशाल चौहान, प्रीतम सेठी, मयंक काले, दीपक सूर्यवंशी एवं यश राठौर की टीम ने हासिल किया। कार्टूनिंग प्रतियोगिता में हर्षिता चौरे प्रथम, श्रेया शुक्ला द्वितीय एवं कृतिका शिवपुरे तृतीय रहीं। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में श्रेया शुक्ला को पहला, प्रीतिका कलम को दूसरा और रितिका राजपूत को तीसरा स्थान मिला। स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में संजना डाले प्रथम, शिवानी राठौर द्वितीय एवं रितिका राजपूत तृतीय। रंगोली प्रतियोगिता में रितिका राजपूत एवं शिवानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समूह गायन स्पर्धा में प्रथम स्थान श्रेया, नेहा, नीलम बघेल, नीलम केशोरे, रीना, भावना की टीम ने प्राप्त किया। इसी प्रकार समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्राची राजपूत प्रथम, अपेक्षा काले, अश्विनी नागराज, दिव्या चौहान, प्रीतिका कलम, स्वाति पाराशर, महिमा मौर्य एवं अदिति मौर्य की टीम ने प्राप्त किया। एकल वादन में प्रथम स्थान संजय राजपूत एवं द्वितीय स्थान यश तिवारी ने प्राप्त किया। युवा उत्सव के सभी प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी जिला स्तर पर अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

जागरूकता ही समाधान का सबसे अच्छा तरीका

● छात्राओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर हुई व्याख्यान माला

अनोखा तीर, हरदा। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत छात्राओं की विभिन्न समस्याओं, सामाजिक अज्ञानता, दकियानूसी विचारों और अंधविश्वासों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषकर छात्राओं तथा महिलाओं को रजस्वला विषय पर जागरूक किया गया। व्याख्यान माला का उद्घाटन करते हुए संस्था की प्राचार्य डॉ संगीता बिले ने कहा कि मासिक धर्म कोई समस्या नहीं है, बल्कि यह सृष्टि के निर्माण हेतु ईश्वर प्रदत्त वरदान और एक जैविक क्रिया है। किंतु कुछ दकियानूसी विचारों और अंधविश्वास से ग्रसित होकर छात्राएं इसे हीन भावना के रूप में देखती हैं तथा इसके संबंध में दूसरों या अपनी सहेलियों से भी बातचीत करने में शर्म महसूस करती हैं। अगली कड़ी में बोलते हुई कला संकाय प्रभारी डॉ धीरा शाह ने कहा कि कई बार रजस्वला से ही अनेक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं और असाध्य बीमारियां भी हमें जकड़ लेती हैं। इसलिए जागरुकता ही समाधान का सबसे अच्छा तरीका है। डॉ दीप्ति अग्रवाल ने कहा कि दैनिक स्वच्छता एवं शारीरिक स्वच्छता का हमें विशेष ध्यान रखना चाहिए। सेनेटरी नैपकिन का उपयोग स्वयं भी करना चाहिए और गांव में अपनी माता, बहनों, सहेलियां को भी इसके समुचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। अगली वक्ता डॉ.निर्मला डोंगरे ने कहा कि कई बार देखा गया है कि ग्रामीण और जागरूकता विहीन महिलाएं सेनेटरी पैड के स्थान फटे पुराने, पेड़ों की पत्तियां, राख आदि का उपयोग करते हैं, जिससे अनेक बीमारियां जन्म लेती हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्रा इकाई प्रभारी डॉ रश्मि सिंह ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि सिनेटरी नैपकिन व उसकी प्रयोक्ताओं को सम्मान की दृष्टि से देखा जाए क्योंकि इसी सिनेटरी नैपकिन में मेरा, आपका और इस संपूर्ण सृष्टि का अस्तित्व छिपा हुआ है। महाविद्यालय की सभी गणमान्य महिला अधिकारियों डॉ.शर्मिला मीणा, डॉ.स्मिता गिरगुने, डॉ.आशा गायकवाड़, डॉ.प्रियंका राय, पार्वती भावर, श्रीमती शीतल श्रीवास, सुश्री पूनम गुर्जर आदि ने भी अपने-अपने विचार रखे।

पुस्तकें हमारी सबसे बड़ी मित्र : गुप्ता

अनोखा तीर, हरदा।

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में पांच दिवसीय शिक्षक पर्व के अंतर्गत आज चतुर्थ दिवस पर पुस्तकें पढ़ने की आदत डालने पर महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.संगीता बिले, कार्यक्रम संयोजक डॉ.धीरा शाह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.सीपी गुप्ता और डॉ.रश्मि सिंह ने मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद और डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर किया।

संस्था की प्राचार्य डॉ.बिले ने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में पुस्तकें पढ़ने की आदत अवश्य डालनी चाहिए, पुस्तकें न केवल हमारे ज्ञान में वृद्धि करती हैं बल्कि हमारे जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान खोजने में भी हमारी मदद करती हैं। कार्यक्रम की संयोजक डॉ धीरा शाह ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पुस्तकें पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए, जिससे हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर संचार बना रहे। डॉ सीपी गुप्ता ने कहा कि पुस्तकें हमारी सबसे बड़ी मित्र होती हैं और वास्तव में वे हमारे ज्ञान की सबसे बड़ी स्रोत है। पुस्तकें ही इंसान को महान बनाने का मार्ग खोलती हैं। श्रेष्ठ स्तर की पुस्तकें ही विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की गारंटी दे सकती हैं। अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रश्मि सिंह द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

Mali
Nigeria
Google
GPS Map Camera
हरदा, मध्य प्रदेश, भारत
83VR+R3G, हरदा, मध्य प्रदेश 461331, भारत
Lat 22.344733°
Long 77.08998°
09/09/22 06:16 AM GMT +05:30

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय हरदा (म.प्र.)
21 जून 2022
"अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस"

हरदा आसपास पत्रिका

patrika.com

भारी बारिश के कारण उखड़ी सड़कों-रपटों की होगी मरम्मत

विभाग ने कलेक्टर को भेजे 7 प्रस्ताव

दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन: गणपति बप्पा के जयकारों के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन

चल समारोह में झलका भक्तों का उल्लास

पंडालों में हुए भंडारे, गाजे-बाजे के साथ पहुंचे नदी-तालाब

पोखरनी में श्रद्धालुओं ने आरती कर दी विदाई

संभाग स्तरीय स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों का किया चयन

मुख्य बाजार से निकला चल समारोह

बैलगाड़ी पर निकाली शोभायात्रा

झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र

डीजे की धुन पर नाचते हुए भगवान गणेश को किया विदा

कहां जा के छुपे गणराज, तुम लौट के आ जाओ...

बच्चों में भी दिखा उत्साह, विसर्जन के लिए लगा तांता

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक और शिक्षा नीति की भूमिका पर विचार संगोष्ठी संपन्न

आयोजन स्वामी विवेकानंद कॉलेज में पांच दिवसीय शिक्षक पर्व का समापन

'नई शिक्षा नीति शिक्षक को अपडेट रहने की प्रेर...

पत्नी से हुआ विवाद, पति ने खाई दवाई

बिजनेस न्यूज

सेवा सहकारी समिति रुंदलाय की साधारण सभा की बैठक 20 को

हरदा आसपास पत्रिका 11 patrika.com

भारी बारिश के कारण उखड़ी सड़कों-रपटों की होगी मरम्मत

विभाग ने कलेक्टर को भेजे 7 प्रस्ताव

दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन: गणपति बप्पा के जयकारों के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन

चल समारोह में झलका भक्तों का उल्लास

पंडालों में हुए भंडारे, गाजे-बाजे के साथ पहुंचे नदी-तालाब

पोखरनी में श्रद्धालुओं ने आरती कर दी विदाई

संभाग स्तरीय स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों का किया चयन

मुख्य बाजार से निकला चल समारोह

बैलगाड़ी पर निकाली शोभायात्रा

झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र

डीजे की धुन पर नाचते हुए भगवान गणेश को किया विदा

कहां जा के छुपे गणराज, तुम लौट के आ जाओ...

बच्चों में भी दिखा उत्साह, विसर्जन के लिए लगा तांता

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक और शिक्षा नीति की भूमिका पर विचार संगोष्ठी संपन्न

आयोजन

'नई शिक्षा नीति शिक्षक को अपडेट रहने की प्रेर...

पत्नी से हुआ विवाद, पति ने पी ली दवा

बिजनेस न्यूज

सेवा सहकारी समिति रूंदलाय की साधारण सभा की बैठक 20 को

अनोखा तीर
10 सितंबर 2022

...था जो चल रहा है वह चलता ... लोग चुटकी लेना नही भूलते,

पांडाल का निर्माण किया था। जिसमें रोजाना शाम के समय महिलाओं द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। साथ ही रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मटकी फोड़

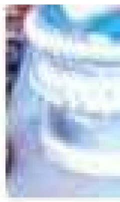

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका पर हुई विचार संगोष्ठी

अनोखा तीर, हरदा।

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में पांच दिवसीय शिक्षक पर्व के समापन अवसर पर शुक्रवार को राष्ट्र निर्माण में शिक्षक और शिक्षा नीति की भूमिका पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए संस्था की

प्राचार्य डॉ.संगीता बिले ने कहा कि शिक्षक न केवल विद्यार्थी के व्यक्तित्व का निर्माण करता है बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से वह राष्ट्र का निर्माण भी करता है, क्योंकि किसी भी राष्ट्र का मूर्तरूप उसके नागरिक ही होते हैं और नागरिकों को गढ़ने का कुशल कार्य शिक्षक ही कर सकता है। डॉ.धीरा शाह ने कहा कि भारत अनादिकाल से विश्व गुरु रहा है, क्योंकि भारत की पवित्र भूमि को असंख्य ऐसे गुरुओं का सानिध्य प्राप्त हुआ है, जिन्होंने तत्कालीन समस्याओं का निराकरण खोजा है। विचार संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ.दीप्ति अग्रवाल ने कहा कि 2020 की नई शिक्षा नीति शिक्षक को अद्यतन रहने की प्रेरणा देती है, जिससे कि विद्यार्थी को वर्तमान समस्याओं से लड़ने के योग्य बनाया जा सके। डॉ.निर्मला डोंगरे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी राष्ट्र और समाज की अपेक्षाओं, इच्छाओं और उद्देश्यों की पूर्ति योग्य शिक्षकों के द्वारा ही संभव है। डॉ.सीपी गुप्ता ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के लिए शिक्षा नीति कितनी ही अच्छी क्यों न बना दी जाए यदि उसे लागू करने वाले शिक्षक उस नीति को अपनी नीति नहीं मानेंगे तो उस शिक्षा नीति के अपेक्षित और सकारात्मक परिणाम देखने को नहीं मिलेंगे, क्योंकि शिक्षा व्यवस्था का संपूर्ण ढांचा शरीर की तरह है और उस शरीर की आत्मा शिक्षक है। अंत में कार्यक्रम का संचालन और आभार व्यक्त करते हुए डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि यह नई शिक्षा नीति ना केवल विद्यार्थियों को अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है बल्कि इससे हमारे नौनिहालों को उनकी मातृभाषा पर ही शिक्षा उपलब्ध कराती है। विचार संगोष्ठी में डॉ.राकेश परस्ते, डॉ.शर्मिला मीणा, मनीष परसाई, डॉ.आशा गायकवाड़, डॉ. प्रियंका राय, पार्वति भावर और चंद्रकिशोर लोखंडे ने भी अपने विचार व्यक्त किए।